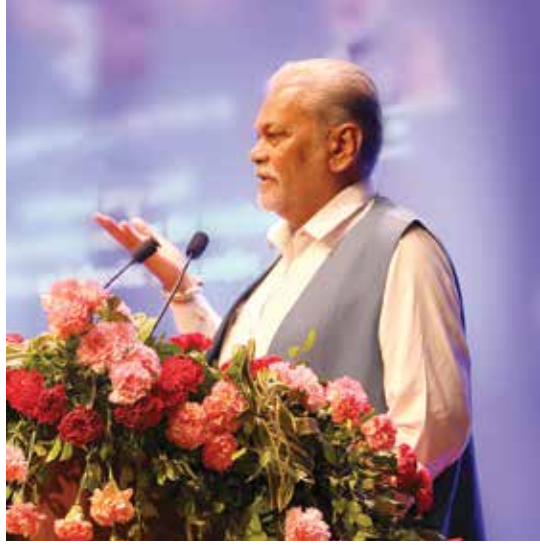

प्रबंधन, पोषण, आहार, चारा एवं स्वास्थ्य संबंधी रोकथाम उपाय के जरिए अपने पशुओं की देख-भाल करने की सुविधा से लैस होने की आवश्यकता है। उन्होंने यह उम्मीद व्यक्त की कि एनडीडीबी के इस प्रकाशन से किसानों को अपने पशुओं के रख-रखाव में मदद मिलेगी। उन्होंने दूध एवं दूध उत्पादों के उपभोग को बढ़ावा देने से संबंधित एनडीडीबी - निर्मित एक टीवी विज्ञापन एवं कृत्रिम गर्भाधान से होने वाले लाभ पर बनी एक फिल्म को भी रिलीज किया।

श्री दिलीप रथ, अध्यक्ष, एनडीडीबी ने कहा कि यह पहला अवसर है जब एनडीडीबी पहली बार डेरी उद्योग और विशेष रूप से उन डेरी सहकारिताओं को सम्मानित कर रही है जो नए प्रयोग करते हैं। श्री रथ ने यह बताया कि एनडीडीबी ने आरंभ से ही डेरी उद्योग में कई नए प्रयोगों में अग्रणी भूमिका निभाई है और यह परम्परा सतत् रूप से जारी है।

उन्होंने किसानों की आजीविका में सुधार लाने पर केंद्रित एनडीडीबी की कुछ नई पहलों को रेखांकित किया - देशी गाय के जीनोटाइपिंग हेतु इंडसचिप; इन-विट्रो भ्रूण उत्पादन प्रौद्योगिकी; थनैला, ब्रूसेलोसिस नियंत्रण परियोजना और आईबीआर टीकाकरण कार्यक्रमों का बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन; ग्राम स्तरीय डेरी सहकारी समितियों द्वारा व्यावसायिक स्तर पर साइलेज निर्माण एवं विपणन गतिविधियों का संचालन; डीसीएस द्वारा चारा उत्पादन हेतु गोचर भूमि का उपयोग; एनडीडीबी द्वारा शुरू किए गए गुणवत्ता चिह्न के जरिए डेरी सहकारिताओं के गुणवत्ता चिह्न अंकित उत्पाद को बाजार में वैधता दिलाना जिससे विश्व बैंक एवं टाटा ट्रस्ट के सहयोग से शुरू की गई दूध फोर्टिफिकेशन परियोजना के अंतर्गत दूध को विटामिन ए तथा डी से फोर्टिफाई करके सूक्ष्म पोषक तत्वों की कुपोषण संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा सके; एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रीशन के जरिए शुरू किया गया स्कूल दूध कार्यक्रम जिसमें बच्चों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए सीएसआर निधि का वितरण किया जाएगा; एकीकृत सोलर थर्मल (सीएसटी) प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल द्वारा देश भर के कई डेरी संयंत्रों को ऊर्जा की लागत में कमी लाने पर लाभ प्राप्ति हो रही है; एनडीडीबी द्वारा विकसित फ्री सोर्स एप्लिकेशन (एएमसीएस) ग्रामीण डेरी सहकारिताओं की मदद कर रहा है और महत्वपूर्ण तरीके से दूध उत्पादकों के निजी बैंक खाते में दूध के बिल का भुगतान सुनिश्चित कर रहा है; सोलर पम्प इरिगेटर्स को-ऑपरेटिव इंटरप्राइज अर्थात स्पाइस का निर्माण; खाद का प्रबंधन - इसका उद्देश्य किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान करना है, महिलाओं के कठिन श्रम को कम करना है तथा स्वच्छ भारत अभियान के अनुरूप, डेरी किसानों द्वारा विकेंद्रीकृत गैस संयंत्र के इस्तेमाल और मधुमक्खीपालन से संबंधित सशक्तिकरण की गतिविधियों हेतु विभिन्न अनुसंधान किए जा रहे हैं।

उन्होंने यह बताया कि डेरी किसानों, विशेषकर महिला किसानों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने डेरी में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में महिला प्रसार अधिकारियों को उनके साहसिक कार्य के लिए बधाई दी।

पशुपालन निर्देशिका पुस्तक का विमोचन